**File 1– Education Wing Seminar for Teacheing Freternity- 2018 Narnaul-**

**Topic – Teacher Student Relationship : Challenges and Opportunities**

**Main Speaker- B.K. Usha Behn, Management Trainer and Senior Rajyoga Teacher, Mount Abu**

**Chief Guest – Dr. Abhay Singh, Retd. IAS and Haryana Assembly MLA(Nangal Chodhry)**

A Seminar on **TEACHER-STUDENT RELATIONSHIP: CHALLENGES & OPPORTUNITIES** was jointly organised by **Education Wing, RERF** and **Brahma Kumaris, Narnaul**.
It was attended by around 800 educationists including Teachers, professors, directors & Chairpersons of Educational institutions like RPS Group of Education Institutions, Yaduvanshi Group of Schools, C.L. Public Schools, Central University, Mahendragarh, CISF Recruitment Training Centre and other technical institutes from Narnaul, Mahendragarh, Behror and surrounding areas.
It was a grand programme wherein BK Usha, Senior Rajyoga Teacher, Mount Abu was key-note speaker. She explained the importance of Spiritual Education and Spiritual Teacher God Shiva. How teachings of God Shiv enables individuals to experience positive change for a happy and prosperous life. The delebrations of the seminar were highly effective and well received by all the participants. Dr. Abhay Singh, Retd IAS and MLA (Nangal Chodhry) Haryana Assembly, praised activities of Brahma Kumaris institution and stressed upon redeveloping faith in relation between Teachers and Students.

# आपसी समझ बढ़ाने से गुरूजनों का होगा सम्मान – डा.अभय सिहँ

नारनौल: महेन्द्रगढ़ जिले व आसपास के शिक्षा प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों तथा अध्यापकों के लिए **'अध्यापक-विद्यार्थी के आपसी सम्बन्ध:अवसर एवं चुनौतियां'** विषय पर आयोजित सेमीनार में बोलते हुए नांगल चौधरी हलके के एम.एल.ए. डा.अभय सिहँ ने कहा कि गुरू-शिष्य के सम्मानित सम्बन्ध को पुनर्स्थापित करने के लिए आपसी विश्वास होना बहुत जरूरी है। दो पिढीयों के अन्तर के कारण सम्बन्धों में गिरावट आ गई है उसे मिटाने के लिए आपसी समझ को फिर से बढ़ाना होगा।

राजयोग एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के **शिक्षा प्रभाग** एवं **ब्रह्माकुमारीज़** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सेमीनार में सैंकड़ों की संख्या में उपस्थित अध्यापकों, प्राध्यापकों तथा विद्यालय प्रबंधकों, संचालकों तथा शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक को ईश्वर के समान दर्जा प्राप्त था क्योंकि आपसी समझ, स्नेह तथा भावनात्मक रिश्ते के आधार पर गुरूजन अपने शिष्य को आगे बढ़ने में मदद करते थे जिसकी आज कमी महसूस होती है। आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से आपसी समझ को बढ़ाने के कार्य में ब्रह्माकुमारी संस्था अग्रणीय है। इस संस्था के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यों की पुनर्स्थापना का कार्य किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनीय है।

माउण्ट आबू से पधारी मेनेजमेन्ट ट्रैनर एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के.उषा बहन ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा कि शिक्षक आज भी बहुत ही महान है। परन्तु कमी आई है तो दृष्टिकोण में, जिसके कारण विद्यार्थी व

शिक्षक का आपसी विश्वास खत्म हो रहा है। परमशिक्षक शिव परमात्मा हमें ऐसी श्रेष्ठ शिक्षा दे रहा है जिससे न केवल हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है बल्कि हमारा जीवन भी महान बन जाता है।

उन्होंने दिवंगत राष्ट्रपति डा.अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए बताया कि जब अब्दुल कलाम ने पैसे के अभाव में 8वीं क्लास के बाद स्कूल जाना बंद कर दिया तो उनके शिक्षक ने ही सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी लेकर फिर से कलाम की शिक्षा को जारी रखने के लिए तैयार किया। फिर कलाम ने भी दृढ़ संकल्प और कठीन परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त करके वह न केवल भारत देश में बल्कि पूरे विश्व में सर्वाधिक सम्मान प्राप्त शिक्षक बन गये।

इस सेमीनार में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दिनेश कुमार ने आधुनिक युग में बदलती परिस्थितियों में LAP-TOP और INTER-NET के प्रयोग के बारे में बात करते हुए कहा कि वास्तव में बच्चों को गोदी (LAP) में बिठाकर प्यार से आगे बढ़ायें और अभिभावक TOP पर रह कर उन पर नजर रखते हुए आपसी समझ के आधार पर बच्चे का विकास करें तो निश्चित रूप से अच्छे नागरिक बनेंगे। इन्टर नेट का अर्थ ही है आन्तरिक नेटवर्क मजबूत हो, सम्बन्ध मजबूत हों। यह आन्तरिक सच्चे प्यार से ही सम्भव है। ब्रह्माकुमारी संस्था भी अन्तर मन में जागृति लाने तथा अपने सच्चे पिता परमात्मा से समझ आधारित सम्बन्ध जोड़ने की शिक्षा देती है जो हमारे लिए बहुत उपयोगी है।

सी. आई. एस. एफ. ट्रेनिंग सेन्टर, बहरोड़ के **सिनियर कमाण्डेन्ट शिव कुमार** ने कहा कि मानव जीवन में सकारात्मक उर्जा का बहुत महत्व है। मैंने अब तक सुना था कि सकारात्मक उर्जा से जीवन में प्रत्यक्ष बदलाव भी आता है परन्तु ब्रह्माकुमारी संस्था में सकारात्मक उर्जा का अनुभव करने का मौका मिला है। ब्रह्माकुमारी संस्था आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण का सर्वोत्तम केन्द्र है। उन्होंने अपने ट्रैनिंग सेन्टर में भी इस प्रकार के कार्यक्रम करवाने की ईच्छा जाहिर की।

कार्यक्रम के आरम्भ में **बी.के.कमल** ने आमन्त्रित मेहमानों तथा वक्ताओं का स्वागत किया और शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के साथ के अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब अपने विद्यार्थी के प्रति शुभ और श्रेष्ठ भावना होती है तब उसमें निखार लाने व उसकी समझ के स्तर में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। कमजोर विद्यार्थी को भी कुशाग्र बनाया जा सकता है।

ब्रह्माकुमारीज़ नारनौल क्षेत्र की संचालिका बी.के. रतन दीदी ने कहा कि सर्वोच्च शिक्षक परमात्मा द्वारा मिल रही शिक्षा को जीवन में अपनाकर सुख-शान्ति सम्पन्न जीवन बनायें। उन्होंने सबको आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनकर जीवन में हर कदम पर सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में माउण्ट आबू से पधारे गायक बी.के. नितिन ने मनमोहक गीतों से समा बांधा और नन्हें बच्चों ने शिक्षाप्रद गीतों व नृत्य के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध किया। आमंत्रित मेहमानों को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिये गये।

Narnaul: (L-R) BK Rattan Didi, Director, Brahma Kumaris, Narnaul; Bro. Dr. Abhay Singh, Retd. I A S and Haryana Assembly member (MLA, Nangal Chodhry); BK Usha Behn, Management Trainer and Senior Rajyoga Teacher, Brahma Kumaris, Mount Abu; Bro. Shiv Kumar, Sr. Commandent, CISF Recruitment Training Centre, Behror; Bro. Dinesh Kumar, Prof. Central University, Mahendragarh and others in IInd row.